UB-6201

B. A. B. Ed.-II Year Examination, 2021

Paper-V, VI & VII (G-B)

हिन्दी साहित्य

Paper-I

हिन्दी काव्य-II

Time Allowed : **Three Hours**

Maximum Marks : **100**

Note : *This question paper contains three sections as under :*

Section-A खण्ड–अ ***Max. Marks-10***

This section contains one compulsory question with 10 parts. Answer of each part should not exceed 20 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न है जिसमें 10 भाग है । प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 20 शब्दों से अधिक न हों । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Section-B खण्ड–ब ***Max. Marks-50***

This section contains 10 questions. Attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 250 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में 10 प्रश्न है । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुये कुल 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक में न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Section-C खण्ड–स ***Max. Marks-40***

This section contains 4 questions (questions may have sub-division). This section will cover all units but not more than one question from each unit. Attempt 2 questions in all. Answer of each question should not exceed 500 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में 04 प्रश्न हैं, प्रश्न के भाग हो सकते है । इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा । कुल दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

https://pyqlet.com

खण्ड – अ

1 सभी प्रश्न अनिवार्य है :

(क) रामचंद्र शुक्ल ने रीतिकाल की समय–सीमा क्या निर्धारित की है ?

(ख) रीतिकाल को 'कलाकाल' किसने कहा ?

(ग) 'रीति' का अर्थ बतायें ।

(घ) लक्ष्य–ग्रंथ किसे कहते हैं ? बिहारी–सतसई लक्ष्य–ग्रंथ है अथवा लक्षण ग्रंथ ।

(ङ) रीतिकाल में 'सच्ची उमंग के कवि' कौन है ?

(च) प्रकृति–वर्णन के लिए रीतिकाल का प्रसिद्ध कवि कौन है ?

(छ) सीखि लीनो मीन मृग खंजन कमल नैन – यह प्रसिद्ध कथन रीतिकाल के किस कवि का है ?

(ज) 'भाषाभूषण' ग्रंथ के रचनाकार कौन हैं?

(झ) 'नेही महा ब्रजभाषा–प्रवीन और सुंदरतानि के भेद को जानै'– घनानंद के विषय में यह किसका कथन है ?

(ञ) 'अपिय हलाहल मद भरे, सेत स्याम रननार'– यह प्रसिद्ध पंक्ति रीतिकाल के किस कवि की है ?

खण्ड – ब

इकाई – I

2 सब जाति फटी दुख की दुपटी, कपटी न रहैं जहँ एक घटी ।
निघटी रुचि मीच घटीहूं घटी, जग जीव यतीन की छूटी तटी ।

अघ–ओघ की बेरी कटी, विकटी, निकटी प्रकटी गुरुज्ञान गटी ।
चहुँ ओरन नाचती मुक्तिनटी, युग धूरजटी वनपंचवटी ।

3 जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सु बीती बहार ।
अब, अलि रही गुलाब मैं अपत, कँटीली डार ॥
बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद बड़ाई पाइ ।
कहत धतूरे सौं कनकु, गहनौ गढ़यों न जाई ॥

इकाई – II

4 झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै ।
हँसि बोलनि मैं छबि–फूलन की बरषा उर उपर जाति है हवै ।
लट लोल कपोल कलेल करै, कल कंठ बनी जलजावलि देवे ।
अंग अंग तरंग उठे दुति की, परिहै मनो रूप अबें घर रवै ॥

5 रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै ।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अधानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै ।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वारयौ, सुजान संकोच आँ सोच संहारियै ।
रोकी रहै न, दहै घनानंद, बावरी रीझि के हाथिन हारियै ॥

6 न्हात जमुना में जलजात एक देख्यौ मात ।
जाकी अछ–ऊरध अधिक पुरसायो है
कहै रत्नाकर उमहि गहि स्याम ताहि
बास बसना सौं नैंदु नासिका लगायो है ।
त्यौंही कछु घूमि झूमि बेसुध भए कै हाथ ।
पाय परे उखरि अभाय मुख छायौ है ।

7 जोग को रमावै और समाधि को जगावै इहां
दुख सुख साधनि सौं निपट निबेरी हैं
कहै रतनाकर न जानैं क्यों इतै धौं आइ
साँसनि की सासना की बासना बरवेरी हैं
हम जमराज की धरावतिं जमा न कछू
सुरपति संपत्ति की चाहतिं न ढेरी हैं ।
चेरी हैं न ऊधौ ! काहू तो ब्रह्मा के बबा की हम
सूधौ कहे देतिं एक कान्ह की कमेरी हैं ॥

इकाई – IV

8 रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ बतायें ।

9 रीतिकाल की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करें ।

10 रीतिकाल को श्रृंगार काल किसने कहा ? इस नामकरण के औचित्य पर प्रकाश डालें ।

11 हास्य रस को सोदाहरण समझायें ।

खण्ड – स

12 केशव को संवाद–योजना में बड़ी सफलता हाथ लगी है । रामचंद्रिका के आधार पर इसे सिद्ध करें ।

13 बिहारी का काव्य भाषा की समासशक्ति एवं कल्पना की अनुहार शक्ति की दृष्टि से बेजोड़ है । इस आधार पर बिहारी का मूल्यांकन करें ।

14 वीर–सतसई की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख करें ।

15 रासोगीत–परंपरा में उद्धवशतक का स्थान निरूपित करें ।

Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से